



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 99,735	Silver 97,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

प्रदेश में अंगदान और देहदान करने पर मिलेगा गार्ड ऑफ ऑनर, सरकार ने जारी किए आदेश

भोपाल 1 जुलाई (एजेंसी)। अब मध्य प्रदेश में अंगदान और देहदान करने वाले लोगों को अंतिम विदाई पर मग्न पुलिस का दस्ता गार्ड ऑफ ऑनर देगा। राज्य सरकार ने मंगलवार को इसके औपचारिक आदेश जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने फरवरी में एम्स भोपाल में हुए प्रदेश के पहले हृदय प्रत्यारोपण के समय इसकी घोषणा की थी। मंगलवार को सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सचिंद्र राव ने सभी संभाग आयुक्तों, कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए।

पूरे सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा साध्वी श्री सुशीला कुंवरजी मसा आदि ठाणा का चातुर्मास मंगल प्रवेश आज

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। आचार्य भगवंत 1008 श्री रामलालजी मसा की आज्ञानुवर्तिनी शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कुंवर जी मसा आदि ठाणा 4 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश आज 2 जलाई बुधवार प्रातः 7 बजे स्थान जयंतोलाल पितलिया के मकान हुड़की कालोनी से विहार कर रामेश समता भवन पधारेंगे । इस मंगल अवसर पर श्री साधुमार्गी जैन संघ, नीमच के अध्यक्ष अरूण कोठारी एवं समस्त श्री संघ के समस्त पदाधिकारियों ने समस्त धर्म प्रेमी बन्धुओ से विशेष आग्रह किया है कि चातुर्मासिक मंगल प्रवेश में पधारकर दर्शन, वंदन सेवा का लाभ प्राप्त करें ।

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AAHPL6502G1Z5
MSME NO. UDXYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPG6839G1Z5
MSME NO. UDXYAM-MP-33-0003801

मदन माली 9669999779

राजमल गायत्री 9926640630

श्रीदेव

वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

सभी निकाय निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजे - चंद्रा

कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रों के निराकरण की बैठक में दिए निर्देश

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। जिले के सभी सी.एम.ओ., जनपद सीईओ अपने क्षेत्र में निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजे। सभी पशुपालक अपने आश्रित पशुओं को सड़कों, गली, मोहल्लों में खुला ना छोड़ें, उन्हें सम्भाल कर रखे। यदि कोई भी आश्रित पशु को खुले में छोड़ना पाया जाएगा, तो उसे संबंधित निकाय, पंचायत गौशाला कांजी हाउस भेंजे। जहाँ उनकी समुचित देखभाल हो सके। गौशाला या कांजी हाउस से निर्धारित ज़माना शुल्क जमा करने के बाद ही पशुओं को छोड़ा जाएगा। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टरेट चंद्रा ने मंगलवार को मध्य-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए । बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी, सीएमओ,



सीईओ उपस्थित थे ।

डीईओ, डी.पी.सी. को कारण बताओ नोटिस - बैठक में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने शालाओं में नामांकन की अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी(डी.पी.सी.) संबंधित बी.ई.ओ. एवं बी.आर.सी. को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश में जि.प.सी.ई.ओ. को दिए ।

सर्पदंश हो, तो तत्काल शासकीय चिकित्सक से निःशुल्क उपचार करावाएँ

के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री ने लोगों से की थी अपील - मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने फरवरी में एम्स में कहा था कि प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। जहां एयर एंबुलेंस की सुविधा संभव नहीं है, वहाँ हेलीकॉप्टर की मदद से मरीजों को समय पर इलाज मिलेगा। उन्होंने आम जनता से अंगदान और देहदान को प्राथमिकता देने की अपील की थी।

मध्य प्रदेश में अंगदान बेहद कम - नेशनल आर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (नोटो) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में केवल आठ केंडेंवर डोनेशन हुए थे। वहीं तेलंगाना में ऐसे अंगदान की संख्या 252 तक थी। तमिलनाडु-कर्नाटक में 178 और गुजरात में 146 थी।

48 घंटे लगातार बारिश की चेतावनी हाई अलर्ट पर आधा मध्य प्रदेश

इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शिवपुरी, और होशंगाबाद सहित एमपी के 25 से अधिक जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, और उज्जैन संभाग के कई शहरों में भारी बारिश की संभावना है। तो कुछ क्षेत्रों में 4 से 8 इंच तक बारिश की संभावना के चलते बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक एक सक्रिय ट्रफ और चक्रवाती परिसंचरण प्रणाली के कारण मध्य प्रदेश में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश जारी रह सकती है। भोपाल,

ज्योतिष एवं कर्मकांडीय मानव सेवा परिषद का निर्वाचन सम्पन्न

परसराम शर्मा अध्यक्ष, भागीरथ शर्मा सचिव नियुक्त



जावद 1 जुलाई (निप्र)। ज्योतिष एवं कर्मकांडीय मानव सेवा परिषद नीमच की वार्षिक बैठक एवं निर्वाचन सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। बैठक में सबसे पहले वार्षिक लेखाजोखा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से संरक्षक मंडल का गठन किया गया, जिसमें संत दशरथानंद सरस्वती (खरमालिया), श्रवण शास्त्री (केसरपुरा), सत्यनारायण शर्मा

(एसआई, नीमच), हरिशंकर पालीवाल (नीमच), पंडित दशरथ शास्त्री (नीमच) और पंडित छोटलाल शर्मा (पिपलोन) को शामिल किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में पंडित परसराम शर्मा (मालखेड़ा) को अध्यक्ष, पंडित भागीरथ शर्मा (नीमच) को सचिव, पंडित घनश्याम त्रिवेदी (पालसोड़ा) को उपाध्यक्ष, पंडित मनोहर नागदा (कानाखेड़ा) को कोषाध्यक्ष और पंडित प्रवीण पंडिया (वृंदावन कॉलोनी, नीमच)

को सहसचिव नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पंडित लोकेश व्यास (चंगेरी), पंडित राकेश व्यास (चंगेरी), पंडित दिनेश नागदा (कानाखेड़ा), पंडित सुनील शर्मा (स्कीम नंबर-7, नीमच), पंडित हरिशंकर यजुवंदी (खरमालिया) और पंडित कन्हैयालाल नागदा (खानखेड़ी) का मनोनयन सर्वसम्मति से हुआ । इस संबंध में जानकारी नव निर्वाचित सचिव पंडित भागीरथ शर्मा ने दी।

मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल, औपचारिक घोषणा आज

भोपाल 1 जुलाई (एजेंसी)। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल मध्य प्रदेश भाजपा के निर्विरोध नए प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। हालांकि, इसकी औपचारिक घोषणा बुधवार को होगी। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री और चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष के लिए उनका इकलौता नामांकन आया। इस पद के लिए खंडेलवाल का नाम लंबे समय से चर्चा में सबसे आगे था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पसंद के चलते वह अध्यक्ष बने हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी खंडेलवाल के पक्ष में थे। खंडेलवाल वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का स्थान लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान विष्णु

बेटी को रेफर की बोला तो आशा हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने पिता को पीटा डॉ. अभिषेक तिवारी व उनके कर्मचारियों के खिलाफ थाने में शिकायत

पीड़ित ने कहा न्याय नहीं मिला तो आत्महत्या कर लूंआ

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। आशा हॉस्पिटल शास्त्री नगर नीमच में राजस्थान छोटीसादडी के समीप नाराणी गांव के रहने वाले एक दलित समाज के व्यक्ति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। हॉस्पिटल में पीड़ित की बेटी भर्ती थी, उसे रेफर किए जाने की बोला तो अस्पताल का बिल भुगतान होने के बाद कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट की। इस संबंध में नीमच कैट थाना व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज करावाई है और आशा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अभिषेक तिवारी व उनके कर्मचारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार विजेश पिता समरथ बावरी निवासी नाराणी तहसील छोटीसादडी जिला



अभिषेक तिवारी द्वारा बताया गया कि उसकी पुत्री की तबियत में सुधार है और कहा कि पुत्री की कल छुट्टी कर देंगे। दिनांक 30 जून को जब विजेश बावरी आशा हॉस्पिटल पहुंचा और डॉ. अभिषेक तिवारी से पूछा कि बेटी की तबियत कैसी है तो उनके द्वारा कहा गया कि आपकी बेटी की तबियत सही नहीं होकर उसकी तबियत सीरियस है तो मैरे द्वारा डॉ तिवारी से कहा

गया कि मेरी बेटी की तबियत सही नहीं है तो उदयपुर रेफर कर दो तो डॉ. तिवारी द्वारा उदयपुर रेफर करने से मना कर दिया और बोले कि पहले अस्पताल का बिल जमा करवाओ और 13 हजार रूपए का

बिल दे दिया। 30 जून को 2025 को शाम 4 बजकर 29 बजे फोन के जरिए 13 हजार रूपए का आनलाइन भुगतान किया गया। जैसे ही पैमेंट जमा करवाया तो 8-9 कर्मचारी उसे जबरन एक कमरे में खींचकर ले गए और जातिसूचक गाली गलौच करते हुए

तू नीच जात के, तेरी छोरी को यहां से रेफर क्यों करवा रहा है। हम अच्छा इलाज करेंगे। लात-घुसों से मारपीट की गई। मारपीट से विजेश बावरी को कंधे, फसलियों में चोट आई है। बाद धक्का देकर बाहर निकाल दिया औरबोले कि तू नीच जात के अब दोबारा मत आना।

बाद में जब पुलिस को शिकायत की गई तो आनन-फानन में उसकी बेटी को उदयपुर रेफर कर दिया और वर्तमान में उसकी बेटी का उपचार उदयपुर में चल रहा है। पीडित विजेश बावरी ने एम्सपी से गुहार लगाई है और कार्रवाई की मांग की है। कहा कि अगर डॉक्टर व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर

लेगा। यह पूरी घटना हॉस्पिटल में लगे कैमरों में देखी जा सकती है।

रसूख के दम पर डॉ. दबा सकता है मामला - कुछ माह पूर्व ही डॉ. अभिषेक तिवारी ने चौधरी हॉस्पिटल से अलग होकर आशा हॉस्पिटल नीमच शहर के शास्त्री नगर में खोला है। मरीजों को जबरन रखने व उनके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आने के बाद इसे दबाने के प्रयास में भी जुट गए है।

अभी तक डॉ. अभिषेक तिवारी

व उनके कर्मचारियों पर पुलिस कैंट

थाना द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई

है। ऐसे में रसूख के दम पर मामला

दबाने की आशंका भी पीडित ने

जताई है।

12th

के बाद

सफर जोश का

मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये



सोनी कोचिंग क्लासेस

ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव ।

1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।

धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान

योजना लागू

5 लाख

रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को

निःशुल्क उपचार

आयुष्मानभारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध



ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

02 जुलाई 2025

वर्ष - 02, अंक - 61 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी



नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एंसेल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग की 'वन ऑफ दी मोस्ट रोकस्ट इलेक्टोरल इंस्टीट्यूशन ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता

और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में। राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

नचाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

संपादकीय

बहाल हो भरोसा

जम्मू-कश्मीर में प्रतिवर्ष होने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा अमरनाथ के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं में से केवल एक तिहाई ने यात्रा की पुष्टि की है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि 22 अप्रैल को बोललगाम में हुए आतंकी हमले के कारण कुल तीर्थयात्री पंजीकरण में पीले वकी की तुलना में 10 फीसद से अधिक की गिरावट देखी जा रही है। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के दौरान इस वर्ष तीन जुलाई से 9 अगस्त तक यह यात्रा चलेगी। सिन्हा ने बताया कि पहलगाम घटना से पहले पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था। जिसमें तकरीबन दो लाख छत्तीस हजार श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया था। इस हमले में 26 पर्यटकों के मारे जाने के बाद से समूचे जम्मू-कश्मीर विषेशकर घाटी जाने वालों में काफी गिरावट आई है। बीते साल अमरनाथ की यात्रा करने वालों की संख्या पांच लाख बारह हजार तक पहुंच गई थी। जो बीते दशक से भी ज्यादा समय में सबसे ज्यादा बताई गई। विश्वास किया जा रहा था कि सुरक्षा-व्यवस्था बढाए जाने के दावों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यात्रियों में भय कम हो सकता है। आतंकियों द्वारा की गई जघन्य हत्या से लोगों में इस कदर भय है कि स्थानीय व्यापारियों व होटल वालों का कहना था कि गर्मियों में यहां दस/बीस फीसद पर्यटक आए, जिससे उनका सारा धंधा चोपट हो गया। अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा पहलगाम हमले से पहले पंजीकरण करने वाले तीर्थयात्रियों से दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया चालू की, जिसमें बस पचासी हजार शिवभक्तों ने पंजीकरण की दोबारा पुष्टि की है। हालांकि लोग जल्द ही त्रासदियं भुला देते हैं। मगर सुरक्षा को लेकर लापरवाही यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाली हो सकती है। यूं भी तीर्थ स्थलों में उमड़ने वाली भीड़ और इसके कारण उपजी अव्यवस्था की खबरें आम हो चुकी हैं। यूं भी दुर्गम इलाकों और घाटियों को तमाम छानबीन के बावजूद पूर्णतः सुरक्षित रखने का दावा अतिउत्साह कहलाएगा। पहले कई दफा आतंकवादी इस पवित्र यात्रा को निशाना बनाने की धमकियां भी देते रहे हैं। किसी भी आयोजन की सफलता उसका शांतिपूर्ण ढंग से निपट जाना है। बावजूद इसके कि श्रद्धालुओं को पलोभन देकर आमंत्रित किया जाए और उनकी जान जोखिम में डाली जाए।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शांति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कीन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पूरे देश में धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा। पुरी के जगन्नाथपुरी में कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण को दिल है दरअसल जब महाभारत में गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत में कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण को श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और तब शिकारी ने कहा कि द्वारिका नगरी समुद्र में डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल में सोये थे तो किसी जंगल में जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम में भगवान श्री कृष्ण के पाँव में तील लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म में तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया थाजिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र में प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संतूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संतूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुमति किया, और भगवान ने उन्हें वह

स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

राजा इंद्रद्युम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रद्युम्न को सपने में हुए ये जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रद्युम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति। विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा कम पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी। विश्वचवसु अपने आरध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान ने दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रद्युम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दें। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को

समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्ववसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए। अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएँ और अकेले में बनाएँ। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रद्युम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाईं। वह दरवाजे के पास गईं तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गईं। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अथूरी ?मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि भगवान के हाथ-पांव बनाए हैं। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं पड़ी थी। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अथूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल को अग्नि देवता ने कुछ नहीं किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन में दिल भी नदी में प्रवाहित हो गईंकि पद्य पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की।

इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की

जलविद्युत परियोजना: हिमाचल में भूस्खलन का खतरा बढ़ा

विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे तब हिमाचल की जलधाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगा कर उसे विकास का प्रतिमान निरूपित किया जा रहा था। नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रही और इस बार मंडी में तबाही का भयावह मंजर सामने आ गया। ठीक यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है।

हिमाचल सरकार के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित अध्ययन 'लैंडइन्फ्लाइट हैजाड' रिकर असेसमेंट' ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में एक हजार मेगा वांट की करचम और 300 मेगा वांट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझना होगा कि 'वर्तमान में बारिश का तरीका बदल

रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नजुुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है।

वैसे हिमाचल प्रदेश में पानी से बिजली बनाने का कार्य 120 सालों से हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊर्जा दोहन का कार्य इसके पूर्ण राज्य घोषित होने से पहले ही शुरू हो गया था। 1908 में चंबा में 0.10 मेगावाॉट क्षमता की एक छोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण के कार्य से शुरू हुई थी। इसके बाद 1912 में औपचारिक रूप से शिमला जिले के चाम्बा में 1.75 मेगावाॉट क्षमता का बिजली संयंत्र शुरू हुआ जिसे ब्रिटिश भारत की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था। इसका सफल परिचालन होने पर यहां और बिजली संयंत्र लगाने की संभावनाएं तलाशी जाने लगीं। इसी योजना के तहत मंडी जिले के जोगिन्द्र नगर में 48 मेगावाॉट की बड़ी परियोजना का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो 1932 में पूरा हुआ। आज हिमाचल में 130 से अधिक छोटी-बड़ी बिजली परियोजनाएं चालू हैं जिनकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 10,800 मेगावाॉट से अधिक है। सरकार का इरादा 2030 तक राज्य में 1000 से अधिक जलविद्युत परियोजनाएं लगाने का है जो कुल 22,000 मेगावाॉट बिजली क्षमता की होगी।



कई शोधपत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की ह्दिकर्तें आ रही हैं। पहली, इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, मिटटी का ढहना शामिल है। दूसरी दिक्कत जल भूवैज्ञानिक है जिसमें देखा गया कि झीलों और भूजल स्रोतों में जल स्तर कम हो रहा है। तीसरा नुकसान है-बिजली परियोजनाओं में नदियों के किनारों पर खुदाई और बह कर आए पत्तोंवे के जमा होने से वनों और चरागाहों में जलभराव बढ़ रहा है, और ऐसी परियोजनाओं का चौथा खतरा है सुरक्षा में कोताही के चलते हादसों की आशंका। इसलिए ऐसी परियोजनाओं से बचा जाना चाहिए जो कुदरत की अनमोल देन कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश को हादसों का प्रदेश बना दें।



हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त कीं। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएंगे। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें—
ॐ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● तीन मिट्टी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
● गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएंगे, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएंगे, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएंगे। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
● केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएंगे। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
● बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएंगे। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
● गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएंगे और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएंगे। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएंगे। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
● पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
● फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था शारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।



- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वतासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने— 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वतासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्य के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्य ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्य के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते हैं कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के पास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसन से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार



के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।



घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसों के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोंएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोंएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।



सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्तियों को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैप में होते थे।
– गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का



रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
– गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
– श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम

7 साल से अधर में अटका हुआ है निम्न आय वर्ग के लोगों को पीएम आवास हेंडओवर करने का मामला....

22 साल से सरकार में बैठे नीमच विधायक को अब जाकर याद आई गरीबों के लिए कॉलोनी काटने की - तरुण बाहेती

शहर में एक नहीं बल्कि अनेक सरकारी कॉलोनियों की आवश्यकता है

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। आखिरकार सत्ता में आने के 22 वर्ष बाद अब नीमच विधायक दिलीपसिंह परिहार को गरीबों की याद आई है। रविवार को विधायक ने एक कार्यक्रम में नपाध्यक्ष स्वाति चौपड़ा को खुले मंच से नसीहत दी थी कि नपा की जमीनों की आधिपत्य में लेकर गरीबों के लिए कॉलोनी काटे। सार्वजनिक रूप से दिए गए विधायक के इस भाषण को लेकर कांग्रेस नेता व जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती ने तंज करते हुए कहा की वें पिछले कई वर्षों से सत्ता में होने के बाद भी किसी भी वर्ग के लिए एक भी आवासीय कॉलोनी नहीं कटवा सके और वहीं उन्हें अब गरीबों के लिए कॉलोनी काटने की याद आई है, जबकि इन्ही निम्न आय वालों के लियें पिछले 7 साल से नीमच में तैयार होकर रखे हुए पीएम आवास हितग्राहियों को हेंडओवर करने का मामला अधर में अटका हुआ है। आज तक उसके प्रयास क्यों नहीं किए।

कांग्रेस नेता बाहेती ने मामले में कहा कि 22 सालों से सरकार में बैठे विधायक महोदय को अब जाकर शहर की गरीब जनता की चिंता हो रही है और सार्वजनिक भाषण में कह रहे हैं की नगर पालिका अध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कह रहे हैं की शहर की गरीब जनता के लिए कॉलोनी काटे। विधायक को शहर की गरीब जनता की इतनी ही चिंता थी तो विगत 7-8 वर्षों पूर्व से नगरपालिका द्वारा निम्न आय वर्ग के लिए बनाए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास(फ्लेट)आज तक गरीबों को क्यों हेंडओवर नहीं हो पाए। आखिर विधायक ने उनके लिए क्या किया, जबकि भाजपा,सत्ता व विधायक से जुड़े लोगों ने नगरपालिका पर दबाव बनाकर उच्च आय वर्ग वाले मकानो का आवंटन करवा के साथ ही कब्जा भी प्राप्त कर लिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब पीएम आवास योजना लागू हुई थी, तब पहले चरण में गरीबों

के लिए 600 आवास बनाने का ढिंढोरा पीटा गया था और हितग्राहियों से 40-40 हजार रूपए जमा भी करवा लिए थे, लेकिन परिषद बदली तो नपा के जिम्मेदारों ने ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए पीएम आवास योजना का आधा प्रोजेक्ट ही यह कहते हुए सरेंडर कर दिया कि मेडिकल कॉलेज को भूमि आवंटित करने के कारण पीएम आवास योजना का प्रोजेक्ट का पूरा करने के लिए भूमि नहीं बची है, जबकि शहर में नपा की कई भूमिया है,जहां शेष प्रोजेक्ट को स्थानांतरित कर गरीबों के आवास का सपना पूरा किया सकता था, पर इस मामले में विधायक परिहार ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई और नपा के जिम्मेदारों के लिए कुछ कहना ही बेकार है, क्योंकि उनका तो प्लान ही योजना को सरेंडर करना था, जो



उन्हें कर दिया और विधायक ने आपत्ति तक नहीं लगाई। शहर में एक नहीं अनेक कॉलोनियां कटनी थी - कांग्रेस नेता बाहेती ने कहा कि शहर में एक ही नहीं बल्कि पिछले वर्षों में अनेक सरकारी कॉलोनियां कटनी चाहिए थी। लेकिन उचित नेतृत्व और विकास वादी सोच के अभाव में ऐसा नहीं हो पाया। विगत वर्षों में नीमच के आसपास के क्षेत्र के कई परिवार नीमच में आकर बसे जहाँ उन्हें अपना घर बनाने के लिए महंगे दामों में जमीन खरीदनी पड़ी। अगर सरकारी आवासीय कॉलोनीयाँ होती तो शहर के आम लोगों को अपना घर का सपना जल्दी पूरा होता और उन्हें शहर के बाहर दूर कॉलोनीयों में अपने घर नहीं बसाने पड़ते। बाहेती ने कहा की नीमच से लेकर भोपाल दिल्ली तक भाजपा की सरकार

है। यहां के विधायक को अभी भी सरकारी आवासीय कॉलोनी काटने के लिए पारदर्शिता के साथ प्रयास करने चाहियें। बाहेती ने कहा की पहले से शहर के सबसे चर्चित घोटाले योजना क्र. 34 व 36 के का दंश आज तक शहर की जनता भुगत रही है और यह आज भी जनता के लिए मक्कड़जाल बना हुआ है, जिन्होंने भूखंड घोटाले को अंजाम दिया था, वे भूखंडों को बेचकर निकल गए और जिन्होंने भूखंड खरीदे थे, वे वैध अवैध के चक्कर में उलझ कर परेशान हो रहे हैं। सत्ता की आपस की लड़ाई और महिलाओं की समिति के नाम जमीनों का खेल - कांग्रेस नेता तरुण बाहेती ने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि आपस की लड़ाई में जनता की समस्याओं से ज्यादा अधिकारियों को संरक्षण देने में ज्यादा रुचि ले रहे है, उन्हें जनता से कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अचानक विधायक

गरीबों के लिए कॉलोनी काटने की मांग क्यों कर रहे हैं। सत्ता की आपस की लड़ाई में यह सब क्यों हो रहा है जनता को सब समझ आ रहा है। बाहेती ने कहा की हाल ही में पिछले दिनों सत्ता से जुड़े लोगों ने एक महिला समिति के नाम पर शास्त्री नगर के पास एक कॉलोनी काटने के भरसक प्रयास किये लेकिन ज्यादा रायता फैलने से जमीन हड़पने का यह मामला परवान नहीं चढ़ पाया। उस महिला समिति से जुड़े लोग किससे जुड़े थे एवं कौन लोग भू माफिया बन कर महिला समिति के नाम पर कॉलोनी काट कर जमीन की बंदर बांट करने वाले थे यह बात शहर में किसी से छुपी नहीं है। बाहेती ने कहा की आखिर क्यों शहर में सत्ता से जुड़े लोगो द्वारा महिला समिति एवं अन्य समितियां के माध्यम से कॉलोनी जाने का प्रयास किये जाते रहे हैं। नगर पालिका अपने दम पर सीधे आम जनता के लिए कॉलोनी क्यों नहीं काटती।

पूज्य सिंही पंचायत कार्यकारिणी का किया विस्तार संरक्षक मनोहर अर्जनानी एवं उपाध्यक्ष विजय रोहिड़ा को बनाया

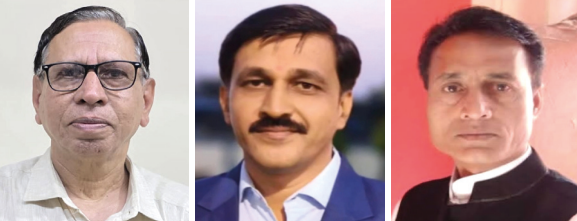


नीमच 1 जुलाई (निप्र)। पूज्य सिन्धी पंचायत के पदाधिकारियों की आवश्यक संक्षिप्त बैठक मंगलवार, 01 जुलाई को रखी गई। बैठक में पूज्य सिंधी पंचायत का विस्तार करते हुए सर्व सहमति से पूर्व मुखे मनोहर अर्जनानी को

पूज्य सिंधी पंचायत का संरक्षक एवं विजय रोहिड़ा को द्वितीय उपाध्यक्ष बनाया गया। विदित है कि राजकुमार मंगवानी पंचायत के पहले ही उपाध्यक्ष है। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष 'मुखे' ईश्वर आहूजा (मेडिकल), उपाध्यक्ष

(प्रथम) राजकुमार मंगवानी, महासचिव महेश वधानी, सह सचिव किशन अंदानी व राजेश सोनी, कोषाध्यक्ष पुन रामचंदानी व गोपाल मूलचंदानी, मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र फतनानी, सोनू लालवानी सहित सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी उपस्थित थे।

श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट मंडल के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए विनोद गांधी अध्यक्ष, राजेश भण्डारी उपाध्यक्ष, सुशील नागौरी बने सचिव



सिंगोली 1 जुलाई (निप्र)। श्री जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ सिंगोली ट्रस्ट मंडल के चुनाव दिनांक 30.6.2025 को सम्पन्न हुए। मिली जानकारी के अनुसार श्री जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक श्री संघ सिंगोली की साधारण सभा की बैठक आराधना भवन पर ट्रस्ट मंडल के नवीन चुनाव के लिए 30 जून को आहुत की गई जिसमें में चुनावी प्रक्रिया को पुरा किया गया और ट्रस्ट मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें संघ के वरिष्ठ श्रावक विनोद गांधी अध्यक्ष, राजेश भंडारी

उपाध्यक्ष, सुशील नागोरी सचिव, सुनील मेहता कोषाध्यक्ष, प्रकाश कछला सहसचिव, एवं सदस्यगण में प्रकाश मेहता, प्रदीप पतिलिया, कमल भंडारी, अरविंद मेहता, बलवंत बाबेल, धर्मचंद नागौरी, अनिल चौधरी, संजय कोठारी, को सर्वांनुमति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया साथ ही। संरक्षक के रूप में रोशन लाल मेहता, श्यामलाल कोठारी को नियुक्त किया गया । यह उपरोक्त ट्रस्टमंडल की नवीन कार्यकारिणी सर्वांनुमति से निर्विरोध साधारण सभा की बैठक में निर्वाचित की गई ।

जिला पंचायत सीईओ एवं एडीएम ने की जनसुनवाई, 139 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 139 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर एसडीएम संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह, डॉ.ममता खेड़े, सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में चेनुपुरा के भारतसिंह, चंद्रपुरा की ताराबाई, चडौली की भागवतीबाई, लेवड़ा की शांतिबाई, मतनासा के दिनेश, टी.आई.टी.कॉलोनी नीमच के मनीष, खोर के रवि, रामप्रसाद, बाबुलाल, सोनियाना के शंभुलाल, हनुमंतिया के मोहन लाल, श्रीपुरा के देवीलाल, खोर की भंवरी बाई, जावी के शांतिलाल, साल्याखेड़ी के आज्ञा सिंह, कुण्डखेडा के रमेश, बोरखेड़ी के भवरलाल नायक,

भरभड़िया के नंदकिशोर एवं ग्रामीण, नलखेड़ा के जगदीश आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह दौलतपुरा के मुरलीधर, रामपुरा के गोपी, कुचदौड की शांतिबाई, आलौरी गरवाडा के किशनलाल, जंगपुरा के कन्हैयालाल, सादड़ी रोड बघाना के गुणवंत, साकरिया

खेड़ी के सीताराम, चेनुपुरा खदान के दशरथ, पड़दा के घीसालाल, भाटखेडा के बगदीराम कुमावत, चपलाना के मोहन लाल, बरखेडा जाट की गंगाबाई ने भी अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए, जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

लोक निर्माण से लोक कल्याण के तहत नीमच जिले में वृहद पौधारोपण सम्पन्न

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक निर्माण से लोक कल्याण के तहत संपूर्ण प्रदेश में एक जुलाई को एक साथ एक लाख पौधारोपण का लक्ष्य तय कर, वृहद पौधारोपण किया गया है। इसी कड़ी में लोक निर्माण संभाग नीमच के कार्यपालन यंत्री अमित नागेश एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण श्री पंकज खराड़ी की उपस्थिति में हवाई पट्टी के सामने स्थित स्कर्टिड हाउस परिसर में लोक निर्माण विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने पौधारोपण किया। नीमच जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक निर्माण से लोक कल्याण के तहत जिले में 1200 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का पौधारोपण किया गया।

सर्पदंश होने पर तत्काल नजदीकी शासकीय संस्थाओं से उपचार प्राप्त कर जीवन रक्षा करें

सर्पदंश के उपचार के लिए सभी शासकीय चिकित्सा संस्थाओं में एन्टी स्नेक वेनम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

नीमच 1 जुलाई (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.खद्योत ने बताया, कि वर्तमान में वर्षा ऋतु में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती है। इस दौरान सांप व अन्य जीव जंतु अत्यधिक सक्रिय हो जाते है और मानव बस्तीयों के नजदीक आ जाते है। इस कारण सर्पदंश की घटनाये होती है। अतः जिले वासियों से अपील की जाती है, कि बरसात के मौसम में सचेत रहे और यदि सर्पदंश की घटना घटित होती है, तो मरीज को बिना किसी देरी के तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, जिससे समय पर इलाज प्रारंभ किया जा सके। विकासखण्ड जावद में वन क्षेत्र में आबादी होने तथा पहाड़ी क्षेत्र होने से इस क्षेत्र में प्रति वर्ष सर्पदंश के केस मिलते है। अतःजावद विकासखण्ड के सिविल हस्पिटल जावद, सामु. स्वा.केन्द्र सिंगोली, प्राथमिक स्वा.केन्द्रनयागांव, अठाना, सरवािनयामहाराज, लासुर, डीकेन, जाट, रतनगढ़, काकरियातलाई, अथवाकला, कदवासा, झांतला पर पर्याप्त मात्रा में सर्पदंश के उपचार हेतु एन्टी स्नेक वेनम (ASV) उपलब्ध है। सर्पदंश का उपचार

सभी संस्थाओ में 24x7 निःशुल्क उपलब्ध है। किसी भी आपात स्थिति में चिकित्सा सेवाएं मिलने में विलम्ब होने पर डॉ.राजेश मीणा, बी.एम.ओ. डीकेन मो.न. 9424544269 पर संपर्क करें। खद्योत सीएमएचओ नीमच मो.न 9993357287 पर सुचित किया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर. के.खद्योत ने बताया, कि सर्पदंश की घटनाओं को नियंत्रित करने हेतु निम्न उपाय किये जावें। उपयोग करने से पहले स्लीपिंग बैग, जुते, कपड़ों को खोलकर हिलाएं, जिससे उसमें छुपे हुए सांप व अन्य कीड़े भी बाहर निकल जाये। किसी भी पेड़ के नीचे बैठने से पहले जमीन की जांच कर ले। झाड़ियों या गहरी रेत में चलते समय जुते, मोजे और लंबी पतलून पहने। रात में टहलते समय या जलाने की लकड़ियों को इकट्ठा करते समय या शौच करते समय विशेष रूप से भारी बारिश के बाद टाच का प्रयोग करें। झरनों, नदियों और झीलें के पास किनारे पर जाते समय विशेष ध्यान रखें। सांपो को परेशान न करें, न उनके पास जायें। जो लोग जमीन पर सोते है, वो मच्छरदानी का यून करें।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45,990/-~~ रु **38,990/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...



RTO मॉडल मात्र

~~रु 81,000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866